राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,21मई2020 वर्ष–2, अंक –78 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन के दमनकारी कदमों पर दंड देना चाहिएः हेली

बीजिंग ने मुक्त बाजार का दुरुपयोग किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने कहा, ''बीजिंग ने मुक्त बाजार का दुरुपयोग करके उसे समाप्त किया, ऐसे में अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मुक्त बाजार को नियंत्रित करके इसे मजबूत करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपने आर्थिक खुलेपन का चीन को गलत फायदा उठाने से रोकने के लिए कड़ा प्रतिबंध लगाना चाहिए और उसे उसके दमनकारी कदमों का दंड देना चाहिए। भारतीय–अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा है कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी ने अमेरिका की चीन पर निर्भरता को समाप्त करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह सुनिश्चित करना होगा कि ''हमारे पास सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संबंधी उद्योगों के लिए अमेरिका के अनुकूल आपूर्ति श्रृंखला हो, न कि इसके लिए हम किसी दबंग प्रतिद्वंद्वी देश पर निर्भर हों।'' उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमेशा से इस बात को समझते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा आर्थिक सुरक्षा का आधार है। उन्होंने कहा, ''जब हम कोरोना वायरस संकट से अधिक मजबूत और सुरक्षित बनकर उबरने की कोशिश कर रहे हैं, तो ऐसे में हमें हमारे लोगों को चीनी साम्यवाद के कपट और आक्रामक व्यवहार से बचाने के लिए साहसी एवं रचनात्मक कदम उठाने चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''अब साम्यवादी चीन के मामले में भी इसी प्रकार का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। कोरोना वायरस महामारी ने यह दिखा दिया है कि हम कुछ दवाओं से लेकर अत्यावश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों तक अहम चिकित्सकीय आपूर्ति के लिए उस देश पर कितने निर्भर है। यह संकट कोरोना वायरस की तरह ही खतरनाक है और इससे निपटना हमारी शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए।'' हेली ने कहा कि अमेरिका को वही तरीका अपनाना चाहिए जो उसने शीत युद्ध के दौरान अपनाया था, जब उसने सोवियत सेना के तकनीकी विकास पर लगाम लगाने के लिए नई नीतियां बनाई थीं जिनमें आयात पर नियंत्रण और व्यापार को बढ़ावा देना शामिल था।

मस्जिद में इबादत कर रहे बच्चे के यौन शोषण की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

गुजरात (ईएमएस)। पाकिस्तान में बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराध थम नहीं रहे हैं। ताजा मामला पंजाब प्रांत के गुजरात जिले का है। यहां पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने मस्जिद में इबादत के लिए बैठे एक 15 वर्षीय लड़के से ज्यादती करने की कोशिश की।

लड़के के पिता शीराज हुसैन ने संबंधित थाने में मामला दर्ज कराया है। इसमें उन्होंने कहा है कि 'जब मैं अपने बेटे को खाना देने मस्जिद गया, तो मुझे अपने बेटे के चीखने की आवाज सुनाई दी और जब वह मौके पर पहुंचे तो आरोपी तबरेज लड़के से जबरदस्ती करने की कोशिश कर रहा था। हालांकि बच्चे के पिता को देखकर आरोपी घटनास्थल से भाग गया।

पीड़ित नौवी कक्षा का छात्र है। वह पोठी की नूरानी मस्जिद में एतकाफ पर बैठा था। तभी उसके साथ यह हादसा हुआ। बच्चे के पिता ने कहा कि मस्जिद में मेरे बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करने की कोशिश करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। घटना की प्राथमिकी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई जिसके बाद स्थानीय लोगों में इसको लेकर गहरा दुख और गुस्सा है।

कनाडा में फेसबुक पर लाखों का जुर्माना

वाशिंगटन(ईएमएस)। कनाडा में सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी पर अनुचित तरीके से तीसरे पक्ष के डेवलपर्स के साथ उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी को साझा करने और बेचने का आरोप है। हालांकि फेसबुक ने इन आरोपों को खारिज किया है। दरअसल, फेसबुक पर इस बात को लेकर जुर्माना लगाया गया है कि उसने अपने उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता बनाए रखने का झूठा दावा किया। यह जुर्माना अगस्त 2012 और जून 2018 के बीच निजता के उल्लंघन से जुड़े मामलों का ही एक हिस्सा है। इसके तहत फेसबुक पर 65 लाख रुपये (6.5 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है। कनाडा के स्वतंत्र प्रतिस्पध्र्ाा ब्यूरो ने कहा है कि तकनीकी फर्म ने अनुचित तरीके से तीसरे पक्ष के डेवलपर्स के साथ उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी को साझा किया है।–दइेच;वहीं फेसबुक का कहना था कि वह जांच के नतीजों से सहमत नहीं है, लेकिन इस मामले को सुलझाना जरूर चाहती है।

संभव है कि हम कभी कोरोना वैक्सीन ढूंढ ही न पाएः ब्रिटेन

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के बिजनस सेक्रटरी आलोक शर्मा ने रविवार को कहा कि यह संभव है कि यूके कभी कोविड19 की वैक्सीन ही न ढूंढ सके। उन्होंने नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हमारे वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बावजूद यह संभव है कि हमें कभी सफलतापूर्व कोरोना वायरस की वैक्सीन ही न मिले। भारतवंशी मंत्री ने कहा कि दुनिया के दो बड़े फ्रंटरनर जिन्हें वैक्सीन बनानी है वे ब्रिटेन में हैं ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी और इम्पीरियल कॉलेज लंदन। शर्मा ने कहा अब तक ब्रिटिश सरकार ने ऑक्सफर्ड और इम्पीरियल में वैक्सीन प्रोग्राम के लिए 4.7 करोड़ पाउंड का निवेश किया है। उन्होंने इसके साथ ही वैक्सीन प्रोग्राम के लिए नई फंडिंग की भी घोषणा की।

इस बीच, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन का एक सर्वे सामने आया है, जिसमें बताया जा रहा है कि कोरोना वायरस मरीजों का इलाज कर रहे ब्रिटेन के करीब आधे डॉक्टरों को अपने हेल्थ की चिंता है। कॉलेज के प्रेजिडेंट प्रोफेसर एंड्रयू गोडार्ड ने कहा हम सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं जो एनएचएस ने पहले कभी फेस नहीं किया और यह सर्वे दिखाता है कि हॉस्पिटल के डॉक्टर इस वक्त कैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा पीपीई की कमी उनके लिए सबसे बड़ी चिंता और यह बहुत बुरा है कि सप्लाई की स्थिति पिछले तीन सप्ताह में सुधरने की जगह खराब हुई है। ब्रिटेन में अब तक 34,636 लोगों की मौत हो गई है, जबकि अब तक कुल केसों की संख्या 2,43,303 है।

अविलम्ब ट्रेनों की ज्यादा आवृत्ति बढ़ाये सरकार– जूडिशियल कॉउन्सिल

क्रांति समय

नई दिल्ली : (न्यूज़ वार्ता) देश में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये लागू लॉकडाउन का चौथा चरण लॉकडाउन 4.0 में प्रवासी श्रमिकों में रोश व्याप्त है । इस की साफ़ तस्वीर दिख रही है ,लगातार पलायन करते बाहर के राज्यों से लम्बी दूरी तय करते यह प्रवासी श्रमिक और उनका परिवार ।

मानवाधिकारों के संरक्षण तथा उनके हित में लगातार कार्यरत जूडिशियल का. ॅउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री नें प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि अविलम्ब ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ायी जाये।

श्री अग्निहोत्री नें कहा भारत में कोरोना की बात करें तो कोविड–19 कोरोना महामारी इस वक्त भयावह रूप ले चुकी है प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों में पहुँचाना सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिये क्यों की यह लोग जिस तरह की परिस्तिथि में भिन्न भिन्न शहरों में रह रहे हैं सामाजिक दूरी रख पाना संभव नहीं है । इसका अनुमान हर व्यक्ति लगा सकता है । ज्यादा डराने वाली बात यह कि ये लोग देश के दूर अलग–अलग कोने के रहने वाले यह लोग कोरोना कर्रिएर्स बनते जायेंगे इसी के मद्दे नज़र यह जरूरी है की सरकार हर संभव प्रयास करे की प्रवासियों को जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी ज्यादा से ज्यादा ट्रेनों की आवृति बढ़ा कर घर पहुंचाये । मौजूदा परिस्तिथयों का पूर्व अनुमान लगाना समझदारी होगी । श्री अग्निहोत्री ने बताया की श्रमिकों की संख्या बहुत ज्यादा है और इनका सड़क हादसों में मारा जाना तथा पुलिस का इनपर अत्याचार तुरंत प्रभाव से संज्ञान में लिया जाना चाहिए । श्री अग्निहोत्री के मुताबिक, मरीजों के बढ़ते आंकड़े डराने वाले हैं ।

यह बहुत ही ज्यादा चिंता का विषय है इनपे नियंत्रण पाया जा सकता है यदि हम सब एक दूसरे से ज्यादा से ज्यादा दूरी बनाये रखेँ । न्यूज़ वार्ता के संवादाता से बातचीत के दौरान श्री अग्निहोत्री नें बताया प्रधानमंत्री को लिखे अपनें पत्र में उन्होनें औरैया जिले के पास सड़क दुर्घटना का जिक्र भी किया जिसमें भारी तादाद में प्रवासी मजदूर मारे गए और घायल हुए थे । सबसे ज्यादा बुरी मार पड़ी है प्रवासी श्रमिकों के बच्चों पर भूखे प्यासे यह भी हैं चलने को मजबूर । इस की छाप इनके मस्तिष्क पर बेहद बुरा असर डालेगी और बहुत हद तक सम्भावना है यह बच्चे भी करोना की चपेट में आजायें क्यों की यह सब लोग नजदीक चलते हुए पलायन कर रहे हैं ।

जिस तरह का मंजर है सरकार को अपनी नीतियों पर तुरंत पुनर्विचार करना चाहिए और उन्होने यह भी कहा की संकट की इस घड़ी में यह समय राजनीती करने का नहीं सभी राजनीतिक पार्टियों को दलगत राजनीती से उठ कर मानव रक्षा को प्राथमि. कता देनी चाहिए तथा सभी को साथ आने का आवाहन किया ।

श्री संजय मेंबर पब्लिक ग्रीवांस कमिटी नें कहा सामाजिक दूरी को शब्दों में न इस्तेमाल कर इसका पालन भी होना चाहिए मजबूरी के चलते श्रमिकों का रोज सड़क हादसों का शिकार होना बहुत ही अफ़सोसजनक शर्मनाक और शर्मशार करनेवाला है । बातों ही बातों में कह डाला तस्वीरें बोलती हैं यह जिक्र किया रेल गाड़ी की अंदर की फोटो का जिसमें सोशल डिस्टन्सिंग की धज्जियां उड़ती हुई साफ देखी जा सकती है ।

सिंगापुर में जूम वीडियो–कॉल के द्वारा दोषी को मौत की सजा सुनाई गई

सिंगापुर (ईएमएस)। कोरोना लॉकडाउन के कारण सिंगापुर में एक ड्रग सौदे के केस में जूम वीडियो–कॉल के द्वारा दोषी को मौत की सजा सुनाई गई। मृत्युदंड की सजा दूर से देने का यह पहला मामला है। लॉकडाउन के बीच मलेशिया के पुनीथन गेनसन को शुक्रवार को 2011 में हेरोइन के लेन–देन में उसकी भूमिका के लिए सजा सुनाई गई था। बता दें कि पूरे एशिया में कोरोना के सबसे अधिक मामले मलेशिया में ही हैं। रिपोर्ट के अनुसार सिंगापुर के सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यवाही में शामिल सभी की सुरक्षा के लिए, लोक अभियोजक पुनीथन की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा आयोजित की गई थी।

प्रवक्ता ने कहा कि यह पहला आपराधिक मामला था,इसमें सिंगापुर में दूर से ही सुनवाई

के द्वारा मौत की सजा सुनाई गई । जेनसन के वकील, पीटर फर्नांडो ने कहा कि उनके मुवक्किल को जूम कॉल पर जज ने फैसला सुनाया और अपील पर विचार कर रहे हैं। जबकि कई समूहों ने पूंजी मामलों में जूम के उपयोग की आलोचना की है। फर्नांडो ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार के वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग के इस्तेमाल पर कोई आपत्ति नहीं जताई क्योंकि यह केवल न्यायाधीश के फैसले के लिए था, जिस स्पष्ट रूप से सुना जा सकता है और कोई कानूनी तर्क नहीं प्रस्तुत किया गया। सिंगापुर में कई अदालतों की सुनवाई लॉकडाउन अवधि के दौरान स्थगित कर दी गई है जो अप्रैल की शुरुआत में शुरू हुई थी और 1 जून तक चलने वाली है। जबकि आवश्यक समझे जाने वाले मामलों में दूरस्थ रूप से सुनवाई की जा रही है।

नेपाल ने जारी किया देश का नया नक्शा, लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को बताया अपना

काठमांडू (ईएमएस)। भारत सरकार के विरोध के बाद भी नेपाल सरकार ने अपने देश का नया राजनीतिक और प्रशासनिक नक्शा जारी कर दिया है। नेपाल ने अपने नए नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा के कुल 395 वर्ग किलोमीटर के भारतीय इलाके को अपना बताया है।

नेपाल के भू प्रबंधन और सुधार मंत्रालय की ओर से मंत्री पद्मा अरयाल ने नेपाल का यह नया नक्शा जारी किया। इससे पहले नेपाल सरकार ने ऐलान किया किया था कि वह नया नक्शा जारी कर लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्र में शामिल करेगी। नक्शे को अब स्कूलों और सभी सरकारी कार्यालयों में इस्तेमाल किया जाएगा। पद्मा ने कहा कि नए नक्शे को संसद के समक्ष रखा जाएगा ताकि उसमें किए गए संशोधनों को मंजूरी दिलाई जा सके।

नेपाल ने अपने नए नक्शे में कुल 335 वर्ग किलोमीटर के इलाके को शामिल किया है। लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के अलावा गुंजी, नाभी और कुटी गांवों को भी शामिल किया गया है। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक के दौरान इस मैप को मंजूरी दी गई थी। इसके मुताबिक, लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को नेपाल का हिस्सा बताया था। जबकि ये इलाके भारत में आते हैं।

नेपाली कैबिनेट से नए नक्शे के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने कहा था लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी इलाके नेपाल में आते हैं और इन इलाकों को वापस पाने के लिए मजबूत कूटनीतिक कदम उठाए जाएंगे।' मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने संसद में कहा था कि कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख हमारा है और हम उसे वापस लेकर रहेंगे।

दरअसल, पिछले दिनों धारचूला से लिपुलेख तक नई रोड का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से उद्घाटन किया गया था। इस रोड पर काठमांडू ने आपत्ति जताई है। इस रोड से कैलाश मानसरोवर जाने वाले तीर्थयात्रियों की दूरी कम हो जाएगी। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली ने भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा को तलब कर लिया था। जवाब में भारत ने अपनी पोजिशन साफ करते हुए कह था कि 'उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में हाल ही बनी रोड पूरी तरह भारत के इलाके में हैं।

लाखों अफ्रीकी नागरिकों को गरीबी की ओर धकेल स्कता है कोरोना वायरस : गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बुधवार को चेतावनी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस महामारी अफ्रीका के विकास के लिए बड़ा खतरा है। यह महामारी लाखों लोगों को अत्यधिक गरीबी में धकेल सकती है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने 'अफ्रीका में कोविड–19 के प्रभाव' पर एक नीति रिपोर्ट जारी करते हुए एक वीडियो संदेश में कहा कि अफ्रीकी देशों ने इस संकट पर तेजी से कदम उठाए हैं। इस संक्रमण से अफ्रीकी महाद्वीप में 2500 लोगों की मौत हो चुकी है लेकिन संक्रमण के मामलों की संख्या आशंका से कहीं कम है।

संयुक्त राष्ट्र की 28 पन्नों की रिपोर्ट के अनुसार यह वायरस सभी अफ्रीकी देशों में फैला है और ज्यादातर देशों में 1,000 से कम मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड–19 के अपेक्षाकृत कम मामलों की पुष्टि हुई है। इससे आशा जगी है कि अफ्रीकी देश इस महामारी के चलते बुरी स्थिति में आने से बच गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि मामलों की कम संख्या का कारण आवश्यकता से कम जांच और कम आंकड़ें दर्ज किया जाना भी हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी थी कि इस महामारी से पहले ही वर्ष में 47 अफ्रीकी देशों में 83,000 से 1,90,000 लोगों की मौत हो स कती है और यह संख्या सरकारों के प्रयासों के आधार पर घट बढ़ सकती है। डब्ल्यूएचओ ने यह भी आगाह किया है कि इस महामारी के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव कई वर्ष तक रहेंगे।

उड़ीसा में तूफान अमफीन के आने से सड़क पर गिरे पेड़।

बंगाल से टकराया अम्फान, शाम तक पहुंचेगा ओडिशा

तटीय इलाकों में भारी तबाही की आशंका, सेना अलर्ट

कोलकाता(ईएमएस)। चक्रवाती तूफान अम्फान पश्चिमी–मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर मंगलवार को कमजोर होकर अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया।

लेकिन फिर भी इससे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय इलाकों में भारी तबाही की आशंका है। इस तूफान के आज दोपहर बाद या शाम तक तट से टकराने की संभावना है। चक्रवात अम्फान के मद्देनजर ओडिशा में अब तक 1704 आश्रय शिविर स्थापित किए गए हैं

और 1,19,075 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। सुपर साइक्लोन अम्फान के आज दोपहर बाद या शाम तक पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तट से टकराने की संभावना है।

चक्रवाती तूफान अम्फान पश्चिमी–मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर मंगलवार को कमजोर होकर 'अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। पारादीप में हवा की गति 102 किमी प्रति घंटा, चांदबली में 74 किमी प्रति घंटा, भुवनेश्वर में 37 किमी प्रति घंटा और पुरी में 41 किमी प्रति घंटा है।

तूफान पर केंद्र सरकार की नजर

एनडीआरएफ की टीमें तैनात की जा चुकी है। केंद्र सरकार भी पूरी नजर रखे हुए है। मौसम विभाग ने इस तूफान के असर से बंगाल और उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्रों में ऊंची समुद्री लहरों से जल प्लावन की आशंका जताई है। तूफान का पूर्वी मेदिनीपुर, उत्तर तथा दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली और कोलकाता में भारी असर हो सकता है। इसी तरह ओडिशा के जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज, भद्रक, जाजपुर और बालासोर में भारी नुक्सान की आशंका है।

इस दौरान कहीं भारी और कहीं हल्की बारिश भी होगी। एनडीआरएफ के महानिदेशक एसएन प्रधान के अनुसार, एनडीआरएफ की 25 टीमों को मोर्चे पर तैनात किया गया है, जबकि 12 अन्य रिजर्व में हैं। इनके अलावा देश के विभिन्ना हिस्सों चौबीस अन्य एनडीआरएफ टीमें तैयार हैं। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, पीएम के प्रधान सलाहकार पी के सिन्हा और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा भी शामिल हुए। अमित शाह ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की थी।

ओडिशा में खतरनाक हवाएं

ओडिशा में अम्फान तूफान की वजह से खतरनाक तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि पारादीप में 102 किमी, चंदबली में 74 किमी, भुवनेश्वर में 37 किमी, बालासोर में 61 किमी और पुरी में 41 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।

पश्चिम बंगाल में 19 एनडीआरएफ की टीमें तैनात

अम्फान चक्रवात के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 19 टीमों को तैनात किया गया है। दक्षिण–24 परगना में 6 टीमें, पूर्वी मिदनापुर और कोलकाता में 4 टीमें, उत्तर–24 परगना में 3 टीमें, हुगली और हावड़ा में 1 टीम तैनात किया गया है।

;एनडीआरएफ के दूसरे बटालियन के कमांडेंट निशित उपाध्याय ने यह जानकारी दी।

विशाखापत्तनम में ;घरों में घुसा पानी

आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में महाचक्रवात अम्फान ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है। समुद्र तट पर तेज हवाएं चल रही हैं। कई स्थानीय घरों में पानी घुसने की भी खबर आ रही है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना योद्धाः पहले जान फिर सम्मान

कोरोना अथवा कोविड–19 की प्रलयकारी महामारी ने एक बात तो विश्व स्तर पर प्रमाणित कर ही दी है कि इस समय कोरोना वायरस तथा इंसानों के मध्य यदि ढाल बनकर खड़े हैं तो वे हैं केवल कोरोना वॉरियर्स। इनमें स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी डॉक्टर्स,नर्सेज़, अस्पताल के सफ़ाई तथा अन्य कर्मचारी,पूरे विश्व में दिन रात कोरोना वायरसअथवा कोविड–19 पर प्रभावी होने वाली दवाई या वैक्सीन बनाने में जुटे वैज्ञानिक तथा महामारी से संबंधित क़ानूनों को अमल कराने में जुटे पुलिस व अन्य सुरक्षा कर्मी तथा संकट की इस घड़ी में मुसीबत ज़दा लोगों की सहायतार्थ अपनी जान ज़ोख़िम में डालने वाले तमाम समाजसेवी शामिल हैं। इस महामारी ने बड़े से बड़े धर्म प्रमुख जो अपने अपने धर्म के स्थानों को शिफ़ा ख़ाना या मुक्ति का केंद्र बताते आ रहे थे वही धर्माधिकारी उन्हीं कथित शिफ़ाख़ानों या मुक्ति केंद्रों में ताले डालकर अपनी अपनी जान की पनाह मांगते फिर रहे हैं। बड़े बड़े राजनेता जो अफ़लातून बने फिरते थे और पूरी दुनिया पर ही नहीं बल्कि पूरे ब्रह्माण्ड पर नियंत्रण रखने के मंसूबों पर काम कर रहे थे वे सभी असामान्य व्यवहार करते देखे जा रहे हैं। क्या उद्योगपति क्या नेता,अभिनेता,लेखक,कवि,खिलाड़ी,यहाँ तक कि इंजीनियर्स व डॉक्टर्स सभी कोरोना से भयभीत हैं। ऐसे में पूरी दुनिया का नेतृत्व यह समझ चुका है कि महा संकट की इस घड़ी में केवल कोरोना योद्धाओं पर ही पूरी दुनिया को स्वस्थ व सुरक्षित रखने की ज़िम्मेदारी है। लिहाज़ा बेहतर यही होगा कि कोरोना अथवा कोविड–19 के योद्धाओं को ख़ुश रखा जाए तथा उन्हें अतिरिक्त मान व सम्मान दिया जाए। इसी मक़सद के तहत दुनिया के कई देश इन्हीं कोरोना वॉरियर्स की शान व सम्मान में तरह तरह के कार्यक्रम व आयोजन अपने अपने देशों में कर चुके हैं।कई देशों में कोरोना योद्धाओं के साथ साथ इस महामारी के इस संकट व इससे उपजे लॉक डाउन जैसे हालात से पूरे देश के लोगों को उबारने व उनका मनोबल बढ़ाने व कई जगह कोरोना से मरने वालों की स्मृति में भी कुछ कार्यक्रम किये गए हैं ।

जिस चीन में सबसे पहले कोरोना ने अपने पांव पसारने शुरू किये थे,उसी चीन ने अपने कोरोना योद्धाओं को लाइट शो के माध्यम से सम्मानित किया। इस लाइट शो के लिए 1000 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। ड्रोनों ने आकाश में विभिन्न कलाकृतियां बनाईं। याद रहे कि घातक कोरोनावायरस पहले चीन के वुहान शहर में उभरा था उसके पश्चात यह दुनिया भर में फैल गया था। इसी प्रकार दूसरे सबसे बड़े कोरोना प्रभावित देश इटली में भी वहां की वायुसेना ने कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन में रह रहे देश के लोगों का मनोबल बढ़ाने के लिए आकाश में अपने देश के झंडे के रंगों की छटा बिखेरी। इसी तरह लंदन में भी डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों को देशव्यापी सलामी के रूप में कोरोना वायरस पीड़ितों का इलाज करने वाले ब्रिटिश नेशनल हेल्थ सर्विस के कर्मचारियों के समर्थन में लंदनके विश्व प्रसिद्ध झूले लंदन आई को नीली रौशनी से जगमग किया गया। लंदन के अतिरिक्त पूरे ब्रिटेन में भी सैकड़ों स्वास्थ्य सेवा और अन्य श्रमिकों के सम्मान में एक मिनट के लिए मौन रखा गया था। यह मौन उनके सम्मान में भी था जिन्होंने देश भर में कोरोना वायरस से युद्ध करते हुए अपना जीवन खो दिया । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस अवसर पर 10 डाउनिंग स्ट्रीट, लंदन में श्रद्धांजलि देने के लिए खड़े होकर एक मिनट कामौन रखा।

स्कॉटलैंड में भी वहां के प्रथम मंत्री निकोला स्टर्जन ने एडिनबर्ग में सेंट एंड्रयूज हाउस के बाहर एक मिनट का मौन रखा।वहां उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी गयी जिन्होंने कोरोनो वायरस से अपनी जान गंवाई है। इसी तरह तेहरान के आज़ादी (स्वतंत्रता) टॉवर को ईरान के झंडे के रंग की रौशनी से रोशन कर कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित सभी देशों से आशा और सहयोग के संदेशों के साथ रोशन किया गया। इसी प्रकार विश्व के अनेक देशों ने इस महामारी की महासंकट कालीन घड़ी में कहीं कोरोना योद्धाओं का हौसला बढ़ाने,कहीं अवसादग्रसित होती जा रही आम जनता का मनोबल बढ़ाने तो कहीं कोरोना के कारण मरने वालों को श्रद्धांजलि देने व उनके परिजनों को सांत्वना देने के उद्देश्य से कोई न कोई कार्यक्रम किये। उसी श्रृंखला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर भारत में तीन बार तीन अलग अलग आयोजन हुए। सर्वप्रथम 22 मार्च को शाम पांच बजे जनता कर्फ़्यू ख़त्म होने के बाद 5 मिनट के लिए ताली बजाओ–थाली बजाओ अभियान छेड़ा गया। इसके बाद 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट के लिए टार्च,दीया अथवा मोबाईल की फ़्लैश लाईट जलाने का आवाहन किया गया। तथा तीसरे चरण में तीन मई को तीनों सेनाओं की ओर से कोरोना योद्धाओं विशेषकर स्वास्थ कर्मियों पर पुष्प वर्षा की गयी तो कहीं समुद्र में युद्धपोत पर रौशनी कर उन्हें सम्मान दिया गया।

भारत में तीन चरणों में कोरोना योद्धाओं को सम्मान दिए जाने को लेकर पूरे देश में एक सवाल यह किया जा रहा है कि जिस प्रकार अब तक अनेक डॉक्टर्स,नर्सेज़ व स्वास्थ कर्मी तथा कोरोना ड्यूटी पर तैनात कई पुलिस कर्मी अपनी जानें गंवा चुके हैं ऐसे में क्या यह ज़रूरी नहीं कि उन्हें सम्मान देने या उन्हें 'गर्व' भेंट करने से ज़्यादा ज़रूरी है कि उनकी सुविधा व सुरक्षा के समुचित प्रबंध किये जाएं। आज देश के कई हिस्सों से ऐसे समाचार आ रहे हैं कि डॉक्टर्स, नर्सेज़ व सफ़ाई कर्मी तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी पी पी ई किट जैसे आत्म रक्षा वाले कई उपकरणों की कमी से जूझ रहे हैं। महाराष्ट्र की तरह कई जगह से ऐसे समाचार भी आए हैं कि किसी नर्सों या अन्य स्वास्थ कर्मियों के कोरोना पॉज़िटिव आने की स्थिति में उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा है। डॉक्टर्स कई जगह पर्याप्त सुविधाओं के अलावा अति सीमित व्यवस्था से परेशान हैं। परन्तु कोरोना योद्धाओं की इस तरह की कई मूलभूत ज़रूरतों को पूरा करने के बजाए सुरक्षा उपकरणों की कमी से जूझ रहे कोरोना वॉरियर्स पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी।अफ़सोस तो यह कि उसी दिन सेना के कर्नल और मेजर रैंक के पाँच अधिकारी सीमा पर शहीद हो गए।जवानों की शहादत की ख़बर आने के बाद भी सी डी एस जनरल विपिन रावत के निर्देशों पर सेना ने कोरोना वॉरियर्स पर पुष्प वर्षा की।

देश यह ज़रूर जानना चाहेगा कि कोरोना योद्धाओं की ज़रूरतों को पूरा करना देश की प्राथमिकता होनी चाहिए या उन्हें फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा गौरवान्वित करना ? और यह कि ऐसी कौन सी आपातकालीन ज़रुरत थी कि एक तरफ़ तो हमारे सैन्य अधिकारियों व जवानों के शव उनके परिजनों के घर पहुंचाए जा रहे हैं तो दूसरी ओर उन्हीं के साथी जवानों से कोरोना योद्धाओं पर 'गर्व' की पुष्प वर्षा कराई जा रही थी ? पहले सैनिकों के परिजनों के साथ उनके शोक में शामिल होना ज़रूरी था या कोरोना योद्धाओं पर 'गर्व' की पुष्प वर्षा ? पहले जान है या पहले सम्मान?

(विचार–मंथन)

चीन के झांसे में नेपाल

नेपाल ने अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी कर भारत के साथ वर्षों से जारी बेहतर संबंधों को खराब करने का काम किया है। इसकी वजह इस नक्शे में लिम्पियाधुरा कालापानी और लिपुलेख को नेपाल की सीमा का हिस्सा दिखाया जाना है। ये सरकार की तरफ से जारी किया गया है इसलिए ही इसने कई सवालों को भी जन्म दे दिया है। इसमें सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर नेपाल ने इस तरह की कार्रवाई क्यों की है। क्या इसके पीछे चीन की कोई साजिश या दिमाग काम कर रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो इस पीछे कहीं न कहीं चीन ही है, जो नेपाल से ये सब कुछ करवा रहा है। नेपाल की तरफ से यह नक्शा भारत के उस फैसले के दस दिन बाद सामने आया है जिसमें भारत लिपुलेख में सड़क का निर्माण किया था। यही रास्ता तिब्बत से होता हुआ मानसरोवर तक जाता है। इस सड़क का नेपाल ने विरोध भी किया था। इसको लेकर नेपाल के विरोध को देखते हुए दोनों देशों ने विदेश सचिव स्तर की वार्ता करने पर रजामंदी जाहिर की है।

नेपाल के इस कदम के पीछे चीन का हाथ होने की सबसे बड़ी वजह तो यही है कि चीन काफी समय से नेपाल को अपने शिकंजे में करने का प्रयास कर रहा है। वह भारत केखिलाफ भड़काकर उसको अपने साथ मिलाना चाहता है। इसकी कवायद उसने वर्ष 2016–17 में उसी वक्त शुरू कर दी थी जब नेपाल में प्रचंड सरकार बनी थी। प्रचंड सरकार चीन समर्थक थी। इसके बाद से ही नेपाल का रुझान चीन की तरफ बढ़ा था। इसके बाद नेपाल पर अपना शिकंजा कसने के लिए उसने नेपाल को आर्थिक मदद भी दी थी। चीन ने पहले से ही भारत के अक्साई चिन पर अवैध तरह से कब्जा कर रखा है। इसके अलावा हिमाचल और उत्तराखंड के कुछ हिस्से पर भी चीन अपना बताता रहा है। वहीं पूर्व में अरुणाचल प्रदेश को भी वह अपना हिस्सा बताता आया है। इतना ही नहीं यहां पर होने वाले निर्माण पर भी कई बार चीन आपत्ति जाहिर की है। कुछ दिन पहले ही चीन के सैनिकों की उत्तराखंड सीमा पर भारतीय सैनिकों से हाथापाई भी हुई थी। भारत के साथ डोकलाम को लेकर भी वह काफी मुखर हो चुका है। वहां पर भारत ने उसको जबरदस्त शिकस्त दी थी। इसके बाद वह नेपाल को अपने जाल में फंसा कर भारत को रणनीतिक तौर पर कमजोर करना चाहता है।

कुल मिलाकर कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर दुनिया भर में बदनाम चीन भारत पर कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए घटिया हरकतों पर उतर आया है। भारत की सीमाओं में घुसपैठ करना और बाद में चले जाना पुरानी आदत है। पिछले दिनों लद्दाख और सिक्किम क्षेत्र में चीनी सैनिकों की ओर से की गई उकसावे वाली हरकतें चिंता का विषय है। चीन की कोशिश यही है कि अमेरिका और अन्य देशों के दबाव में भारत भी कहीं उसके खिलाफ मोर्चा न खोल दे। हांगकांग और ताइवान को लेकर भी दुनिया भर में आवाजें बुलंद हो रही हैं। यूरोपीय देश तो कोरोना वायरस के फैलते दायरे के चलते चीन को ही जिम्मेदार ठहरा कर उसके खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। वर्ष 2017 में डोकलाम में घुसे चीनी सैनिकों को भारत के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा था। तीन महीने तक दोनों देशों के सैनिक आमने–सामने डटे रहे थे। यह पहला मौका था जब चीन के सामने भारत डटकर खड़ा था। भारत एक बड़ा बाजार है इसलिए चीन की मजबूरी भी है, इसलिए वह अच्छे रिश्तों की दुहाई भी देता है और गुर्राता भी है। यह सब उसकी कूटनीति का हिस्सा है। जब भी ऐसा मसला सामने आता है तो यही कहा जाता है कि भारत–चीन की सीमाएं स्पष्ट रूप से तय नहीं हुई हैं। इसलिए चीनी सैनिक घुसपैठ कर लेते हैं। 1962 के भारत–चीन युद्ध के बाद चीन लद्दाख को अपना हिस्सा बताता रहा है।

सीमा विवाद तो भारत और नेपाल में है, लेकिन इसमें चीन अपना हित देख रहा है। वह चाहता है कि कोरोना वायरस को लेकर उस पर आने वाले वैश्विक दबाव में भारत शामिल न हो। भारत और नेपाल चाहें तो इस समस्या का हल निकाल सकते हैं। अगर नेपाल को चीन के एजेंट के तौर पर काम करना है तो बात अलग है। नेपाल को याद रखना होगा कि मित्र तो बदले जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। नेपाल में बंदूक की संस्कृति से निकले लोकतंत्र को संभल कर चलना होगा और भारत तथा चीन में संतुलन बना कर रखना होगा।

प्रसंगतः पत्नी की चूड़ियां

बीरबल की बुद्धि की परिक्षा लेने के लिए बादशाह अकबर अक्सर बेसिर-पैर कि बातें पूछते थे। एक दिन बादशाह ने पूछा- बीरबल ! तुम दिन में अपनी पत्नी का हाथ एक या दो बार तो पकड़ते ही होंगे। बीरबल बोले- हां, जहांपनाह ! क्या तुम बता सकते हो कि तुन्हारी पत्नी के हाथ में कितनी चूड़ियां हैं? यह बात सुनकर बीरबल एक बार तो असमंजस में पड़ गए। उन्होंने कभी पत्नी के हाथ की चूड़ियों की गिनती नहीं की। थोड़ी देर सोचने का बाद अचानक बीरबल का बुद्धि दौड़ी और वे बोले- हां, मैं इस बात का जवाब दे सकता हूं। इसके पहले मेरी एक बात का जवाब देना होगा। अकबर ने कहा- पूछो-पूछो अपनी बात। बीरबल बोला- जहांपनाह, मैं तो पत्नी के हाथ दिन में एक आध बार ही लगाता हूं। पर आप हर वक्त अपनी मूंछ पर हाथ रखते हो इसलिए पहले आप बताओ की आपकी मूंछ में कितने बाल हैं। अरबर बीरबल की बात सुनकर निरूत्तर हो गए। बीरबल के ठहाके के बीच बात आई-गई हो गई।

दैनिक पंचांग

21 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	वृष	4.53 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	6.55 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.09 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.25 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	13.37 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	15.48 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.02 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.18 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.23 बजे से
		कुंभ	00.10 बजे से
		मीन	1.43 बजे से
		मेष	3.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2020 वर्ष का 142 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 21.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 01.04 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सौभाग्य 6.00 बज प्रातः को समाप्त। **करण** विष्टि 8.42 बजे तदनन्तर शकुनि 21.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870525
जूलियन दिन 2458990.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 27
विशेष राजीव गांधी पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

(विचार–मनन)

गतिशील रहें

एक यात्री जा रहा था। अंधेरी रात थी। उसे लम्बा रास्ता तय करना था। एक व्यक्ति ने उसे लालटेन देते हुए कहा, 'इसके प्रकाश में तुम अपना रास्ता देख पाओगे। मार्ग सुख से कटेगा। इसे ले जाओ।' उस यात्री ने देखा कि लालटेन का प्रकाश तीन–चार फीट तक फैल रहा है। उसके मन में संदेह हुआ कि रास्ता बहुत लंबा है। प्रकाश केवल तीन–चार फीट तक ही पड़ता है। रास्ता पार कैसे कर पाऊंगा? वह उलझ गया और उलझता ही गया। वह बोला, 'तीन–चार फीट का प्रकाश मुझे दस मील की यात्रा कैसे करा पाएगा?'

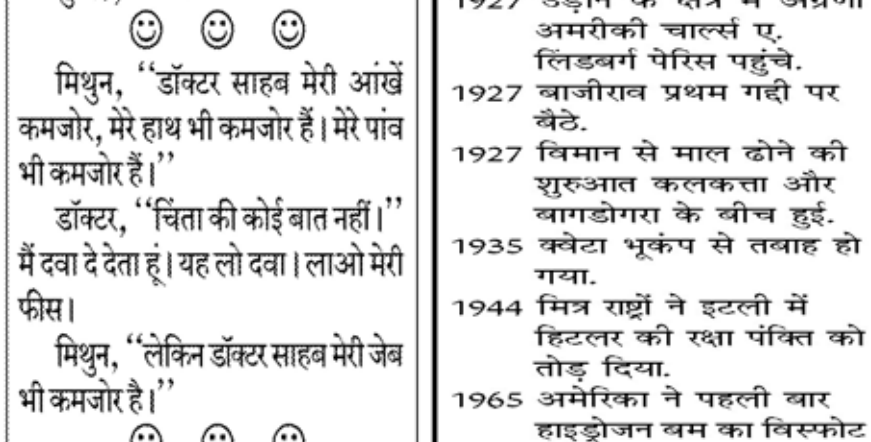

यह विधि को न समझने के कारण है। विधि को समझे बिना साधक उलझ जाते हैं। विधि को ठीक समझ लेते हैं तो तीन–चार फीट का प्रकाश दस मील की यात्रा करा सकता है। यह प्रकाश दस मील के पूरे पथ को प्रकाशित कर सकता है। आप चलते चलें, दस मील का रास्ता प्रकाशित हो जाएगा और यदि उसी बिन्दु पर खड़े रह गए तो दो फीट का रास्ता ही प्रकाशित होगा, शेष अंधकार ही अंधकार रहेगा। आवश्यकता है चलने की, सतत गतिशील रहने की।

विधि को समझें और चलें। विधि को समझना ही पर्याप्त नहीं है, चलना भी पड़ेगा। आगे से आगे बढ़ना होगा। यदि नहीं चले, रूके रह गए तो प्रकाश जहां पड़ता है वहीं पड़ेगा, वह आगे नहीं बढ़ेगा। वह तभी बढ़ेगा, जब हम बढ़ेंगे। वह हमारे रूकने के साथ रूकेगा और बढ़ने के साथ बढ़ेगा। अभ्यास करते जाएं। आप अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। मंजिल स्वतः मिल जाएगी।

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर (सुरेन्द्र से), "अगर आप चिंता छोड़ दें तो आप अति शीघ्र ठीक हो जाएंगे। वैसे आपको चिंता किस बात की है।"

सुरेन्द्र, "आपके बिल की।"

☺ ☺ ☺

मिथुन, "डॉक्टर साहब मेरी आंखें कमजोर, मेरे हाथ भी कमजोर हैं। मेरे पांव भी कमजोर हैं।"

डॉक्टर, "चिंता की कोई बात नहीं।" मैं दवा दे देता हूं। यह लो दवा। लाओ मेरी फीस।

मिथुन, "लेकिन डॉक्टर साहब मेरी जेब भी कमजोर है।"

☺ ☺ ☺

अध्यापक, "बच्चों क्या आपको गिनती आती है।"

एक बच्चा, "जी हां।"

अध्यापक, "सुनाओ।"

बच्चा, "एक, दो, तीन, चार, पांच, छः, सात, आठ, नौ, दस, गुलाम, बेगम, बादशाह।"

☺ ☺ ☺

शंटू, "मास्टर जी मुझे लिखना आ गया, यह देखिए।"

अध्यापक, "अरे यह तो तुमने स्लेट पर आड़ी-तिरछी लकीरें बनाई हैं।" लिखा क्या है जरा पढ़ो तो सही।

शंटू, "मास्टर जी. अभी मैंने सिर्फ लिखना सीखा है, पढ़ना नहीं।"

☺ ☺ ☺

आज का इतिहास 21 मई

1471 इंग्लैंड नरेश हेनरी छठे की मौत टावर ऑफ लंदन में हुई.
1813 नेपोलियन बोनापोर्ट और प्रसिया तथा रूस के बीच बाजेन की लड़ाई में हजारों लोग मारे गए.
1927 उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी अमरीकी चार्ल्स ए. लिंडबर्ग पेरिस पहुंचे.
1927 बाजीराव प्रथम गद्दी पर बैठे.
1927 विमान से माल ढोने की शुरुआत कलकत्ता और बागडोगरा के बीच हुई.
1935 क्वेटा भूकंप से तबाह हो गया.
1944 मित्र राष्ट्रों ने इटली में हिटलर की रक्षा पंक्ति को तोड़ दिया.
1965 अमेरिका ने पहली बार हाइड्रोजन बम का विस्फोट किया.
1967 ब्रुसेल्स में एक स्टोर में आग लगने से तीन सौ से अधिक लोग मारे गए.
1970 पश्चिम और पूर्वी जर्मनी के बीच शिखर सम्मेलन बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया.
1991 राजीव गांधी की मौत बम विस्फोट से हुई.
1992 बैंकॉक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच चार दिन तक चले संघर्ष के बाद शांति बहाल हुई.
2000 त्रिपुरा में आदिवासी छापामारों ने 20 लोगों की हत्या की.
2000 गोदरेज कंपनी समूह के अध्यक्ष सोहराब पी.गोदरेज का निधन.
2001 मणिपुर में विश्वासमत के दौरान कोइजामा की सरकार का पतन.
2002 हुर्रियत कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता अब्दुल गनी लोन की गोली मारकर हत्या.

आज का कार्टून।

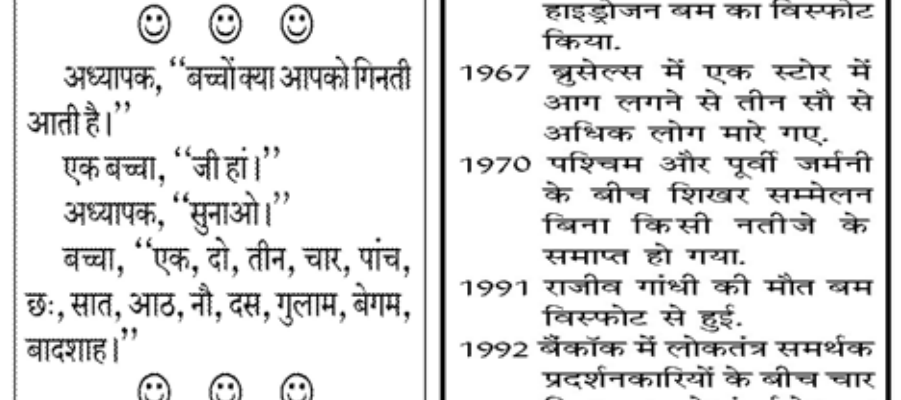

तुलसी का महत्व

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का बहुत महत्व होता है। तुलसी हमारे आंगन की शोभा बढ़ाती है। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का इस्तेमाल कई अलग–अलग शुभ कामों में किया जाता है। कहते हैं भगवान विष्णु को तुलसी बहुत प्रिय है। भगवान विष्णु के प्रसाद में तुलसी के पत्ते का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। इसके अलावा भी तुलसी के पत्ते से भगवान का भोग लगाया जाता है। तुलसी में कई गुण पाए जाते हैं। तुलसी के पत्ते का रोजाना सेवन करने से कई रोगों से छुटकारा मिलता है।

इस दिन नहीं तोड़ें तुलसी पत्ते :

तुलसी के पत्ते हमारे जीवन में एक वरदान की तरह है लेकिन इन पत्तों को कुछ खास दिन को नहीं तोड़नी चाहिए। जैसे चंद्रगहण, एकादशी और रविवार के दिन तुलसी के पत्तियों को नहीं तोड़ना चाहिए। सूरज ढ़लने के बाद भी तुलसी के पत्तों को नहीं तोड़ना चाहिए।

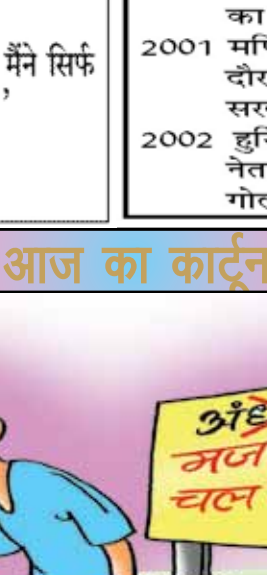

पूजा में करें उपयोग :

यह मान्यता है कि अगर हमारे हर में कोई विशेष पूजा या कार्यक्रम हो रहा हो तो उसमें तुलसी के पत्तियों का इस्तेमाल करना जरूरी होता है वरना पूजा सफल नहीं हो पाता है।

घर में तुलसी का पौधा रखना शुभ माना जाता है। घर में पौधा लाने के बाद हर दिन सुबह–शाम दीपक जलाकर पूजा करनी चाहिए। घर के आंगन में तुलसी के रहने से नकारात्मक का प्रवेश नहीं होता है।

तुलसी के पत्ते का रोजाना खाली पेट सेवन करने से सेहत सही रहती है। यह आपको कई रोगों से बचाती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रवासी श्रमिकों के लिए केन्द्र एवं यूपी सरकार ने की निःशुल्क ट्रेन व बस की व्यवस्था–योगी

लखनऊ (ईएमएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रवासी कामगारों, श्रमिकों की सम्मानजनक व सुरक्षित वापसी के लिए केन्द्र एवं उप्र सरकार ने निःशुल्क ट्रेन तथा बस की व्यवस्था की है। उन्होंने फिर दोहराया कि प्रवासी कामगार, श्रमिक स्वयं व परिवार के हितों को ध्यान में रखते हुए पैदल अथवा अवैध एवं असुरक्षित वाहनों से यात्रा न करें। उनकी सकुशल व सुरक्षित यात्रा के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार ने सभी प्रबन्ध किये हैं। उन्होंने बॉर्डर क्षेत्र के साथ–साथ टोल प्लाजा एक्सप्रेस–वे तथा प्रमुख चैराहों पर भी प्रवासी कामगारों,श्रमिकों के लिए भोजन एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देश दिए। उन्होंने प्रवासी कामगारों,श्रमिकों को ट्रेन तथा बस की सुरक्षित यात्रा के सम्बन्ध में जागरूक किए जाने के निर्देश दिए हैं। अब तक प्रदेश में 838 श्रमिक एक्सप्रेस से 14 लाख से अधिक प्रवासी कामगार, श्रमिक पहुंचे हैं। अगले दो दिन में 206 ट्रेने और आएंगी। इस प्रकार कुल 1,044 ट्रेनों की व्यवस्था कर दी गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मण्डलायुक्त अपने–अपने मण्डल में श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के आगमन, तत्पश्चात प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को बस द्वारा उनके गृह जनपद भेजे जाने की व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि राज्य सड़क परिवहन निगम की 12 हजार बसें प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को उनके गृह जनपद पहुंचा रही हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रत्येक जिलाधिकारी के निवर्तन पर 200 बस की व्यवस्था की है। इस प्रकार सभी 75 जनपदों में जिलाधिकारियों को कुल 15 हजार बसें अतिरिक्त रूप से उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते ही प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को भोजन तथा पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद इनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हें सुरक्षित व सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में कोई भी भूखा न रहे। कम्युनिटी किचन के माध्यम से सभी जरूरमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समस्त पात्र परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी भी बड़ी संख्या में प्रवासी कामगारों, श्रमिकों का आगमन सम्भावित है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश में क्वारंटीन सेन्टरों की कुल क्षमता को 15 लाख तक का दायरा बढ़ा है। इसके दृष्टिगत सोशल डिस्टिंसिंग का कड़ाई से पालन कराने तथा भीड़ को एकत्र न होने देने के लिए पुलिस द्वारा प्रभावी पेट्रोलिंग की जाए। पुलिस द्वारा बाजार आदि में नियमित तौर पर फुट पेट्रोलिंग की जाए। ग्रामीण इलाकों में भी सघन पेट्रोलिंग की जाए। हाई–वे, एक्सप्रेस–वे पर पीआरवी–112 के माध्यम से पेट्रोलिंग का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि मूल्य समर्थन योजना के तहत किसानों से गेहूं की खरीद की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए प्रदेश में क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उन्होंने गेहूं क्रय केन्द्रों का व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठाकर अपनी उपज का सही मूल्य प्राप्त कर सकें।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से पहले शुरू हुआ समतलीकरण का काम

भूमि पूजन की तैयारी हुई शुरु

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी। लेकिन लॉकडाउन के कारण सबकुछ रुक गया। अब लॉकडाउन के दौरान ही 67 एकड़ के श्रीराम जन्मभूमि परिसर में जमीन के समतलीकरण और बैरिकेडिंग के एंगल आदि को हटाने का काम तेजी से हो रहा है। जल्द ही पूरे परिसर को बराबर करके भूमि पूजन की तैयारियां शुरू होंगी। रामलला मंदिर के पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के मुताबिक, जेसीबी मशीनों की सहायता से मुख्य गर्भ स्थल और इसके बगल के चबूतरे आदि के इलाके में समतलीकरण का काम हो रहा है।इसमें काफी समय भी लगेगा। उन्होंने बताया कि गहरे क्षेत्र में पटाई कर समतल बनाया जा रहा है। साथ ही जहां पहले गर्भ स्थल पर राम लला विराजमान थे, वहां के लिए बने टेढे–मेड़े दर्शन मार्ग की लोहे की गैलरीनुमा रास्ते के एंगल आदि को हटाकर साफ किया गया है। जिससे मंदिर क्षेत्र और इसके आसपास के इलाके को लेकर प्लैटफॉर्म तैयार हो सके।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय का निर्माण पूरा ट्रर्स्ट के कार्यालय का निर्माण कार्य देख रहे इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रर्स्ट के अयोध्या कार्यालय का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अब खिड़कियां लगाने और रंगाई–पुताई का काम चल रहा है।

इसमें आगे बरामदा, दो कमरे पार्टीशन के कार्यालय, कम्प्यूटर रूम और गेस्ट हाउस बने हैं। कम्प्यूटर भी लग गए है।

लैंड लाइन, ब्राडबैंड से इस जोड़ा जा रहा है। लॉकडाउन खत्म होते ही ट्रस्ट कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा।

ईद पर मस्जिदों, ईदगाहों में नमाज की अनुमति देने से हाईकोर्ट का इनकार

प्रयागराज (ईएमएस)। ईद के अवसर पर मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज की इजाजत देने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने सीधे तौर पर राहत देने से साफ इंकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि पहले राज्य सरकार से इस संबंध में अनुरोध किया जाए। राज्य सरकार से अनुरोध खारिज होने या अर्जी पेंडिंग होने पर याचिका दाखिल की जाए। याचिका में एक घंटे नमाज के लिए अनुमति देने की मांग की गई है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सभी मांग के लिए सीधे हाईकोर्ट आना उचित नहीं है। हाईकोर्ट के वकील शाहिद अली सिद्दीकी ने जनहित याचिका दाखिल की थी। जनहित याचिका में दलील दी गई थी कि जमात में ईद और जुमे की नमाज होती है। इसके साथ ही अर्जी में जून माह तक जुमे की नमाज के लिए भी अनुमति मांगी थी। चीफ जस्टिस गोविंद माथुर और जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश दिया है।

अम्फान का उत्तरप्रदेश पर नहीं होगा ज्यादा असर

लखनऊ (ईएमएस)। मौसम विभाग बंगाल की खाड़ी में उठ रहे चक्रवाती तूफान को लेकर लगातार अपडेट जारी कर रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर प्रदेश के किसी भी जिले में अम्फान तूफान का ज्यादा असर नहीं दिखाई देगा। मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि साइक्लोन की दिशा और उसका प्रभाव लगातार बदलता रहता है। 2 दिन पहले यह जरूर लग रहा था कि यूपी के पूर्वांचल और तराई के हिस्से में अम्फान तूफान का असर आएगा लेकिन अब ताजा अनुमान के मुताबिक किसी भी जिले पर इसका कोई खास असर देखने को नहीं मिलेगा। सिर्फ एक–दो जिलों में हल्की हवाएं चल सकती हैं लेकिन बारिश और आंधी की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि तापमान में भी कोई खासा फर्क नहीं दिखाई देगा बल्कि प्रदेश के सभी हिस्सों में तापमान में बढ़ोतरी ही देखने को मिलेगी। बता दें कि धीरे–धीरे ज्यादातर शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचता जा रहा है। यूपी में प्रयागराज में सबसे ज्यादा पारा चढ़ता नजर आ रहा है। दरअसल, प्रयागराज में मंगलवार को दिन का तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा। प्रयागराज के बाद दूसरे सबसे गर्म शहर झांसी और आगरा रहे। दोनों ही शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा बांदा में तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस जबकि हमीरपुर में तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। बाकी शहरों में भी तापमान कम नहीं है।

बसों को अनुमति,प्रदेश अध्यक्ष के रिहाई की मांग को लेकर कांग्रेस ने दिया सांकेतिक धरना

संकट में मजदूरों के साथ घटिया राजनीति कर रही है भाजपा

बस्ती (ईएमएस)। दिल्ली मुम्बई सहित देश के अनेक राज्यों में घर वापस आने के इंतजार में लगे श्रमिकों के लिये कांग्रेस ने एक हजार बसों को चलाने हेतु अनुमति मांगी, किन्तु भाजपा की सरकार इसे सियासी रंग दे रही है और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को हिरासत में ले लिया गया। इसके विरोध में बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष अंकुर वर्मा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं ने रोडवेज के निकट स्थित शहीदे आजम भगत सिंह प्रतिमा पर सांकेतिक धरना देकर श्रमिकों को वापस लाने के लिये बसों को अनुमति देने और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को बिना शर्त रिहा करने की मांग किया।

धरना स्थल पर कांग्रेस अध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार श्रमिकों के साथ घटिया राजनीति कर रही है। देश का श्रमिक आज सर्वाधिक संकट से गुजर रहा है। वह पैदल, ट्रक, टेम्पो आदि के द्वारा घरों को जाने को मजबूर है। भूखे प्यासे मजदूरों की चप्पले टूट गई हैं और वे भीषण गर्मी में अपना सफर जारी रखे हुये हैं। पूर्व विधायक अम्बिका सिंह ने कहा कि श्रमिकों की मजबूरियों को देखते हुये कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने एक हजार बसों को चलाने के लिये अनुमति मांगी। दुर्भाग्य से अनुमति देने की जगह भाजपा सरकार उस पर चालू सियासत करते हुये खामियां निकालने में लगी है। कहा कि एक हजार में जितनी बसे मानक पर हों उन्हें अनुमति दिया जाय। मजदूरों के साथ घटिया राजनीति के लिये देश का मेहनतश भाजपा को कभी क्षमा नहीं करेगा।

योगी सरकार के खिलाफ प्राइवेट स्कूल पहुंचे हाईकोर्ट

लखनऊ (ईएमएस)। कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन में यूपी सरकार ने सभी प्राइवेट स्कूलों को फीस न बढ़ाने का आदेश दिए हैं। लेकिन, योगी सरकार के इस आदेश से खफा होकर प्राइवेट स्कूल हाईकोर्ट पहुंचे हैं। प्राइवेट स्कूलों की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने एडवोकेट जनरल को नोटिस जारी कर सरकार से इस संबंध में 18 जून तक जवाब मांगा है। याचिका पर सुनवाई के दौरान प्राइवेट स्कूलों की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेश हुए। इस याचिका में गैर सहायता प्राप्त स्कूलों को फीस न बढ़ाने के आदेश को चुनौती दी गई है। इसमें यूपी आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 को गैरकानूनी घोषित करने की मांग की गई है। यह आदेश जस्टिस अनिल कुमार और जस्टिस सौरभ लवानिया की बेंच ने एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स ऑफ यूपी व एक अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवायी करते हुए पारित किया है। कहा गया कि कोरोना महामारी के नाम पर गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के इस वर्ष फीस वृद्धि पर रोक लगा दी गई है जो कि मनमाना, अतार्किक एवं असंवैधानिक है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि उत्तर प्रदेश सेल्फ फिनान्स इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फी रेगुलेशन) एक्ट 2018 के तहत फीस वृद्धि की जा सकती है।

फीस वृद्धि के सम्बंध में बिना किसी अभिभावक की आपत्ति आए, सरकार ने स्वतः संज्ञान लेकर यूपी आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत उक्त आदेश जारी कर दिए।

इसके बबाद याचिका में उत्तर प्रदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 को भी असंवैधानिक घोषित करने की भी मांग की गई है और उसे केंद्रीय अधिनियम का अतिक्रमण करने वाला बताया गया है। वहीं राज्य सरकार की ओर से याचिका का विरोध किया गया और कहा गया कि याचिका में यूपी आपदा प्रबंधन अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है है और ऐसे मामलों में महाधिवक्ता को नोटिस करना अनिवार्य है। हालांकि अब कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद महाधिवक्ता को नोटिस जारी कर दी और साथ ही राज्य सरकार से जवाबी हलफनामा तलब कर लिया है।

सब्जी किसानों की पिकअप वैन को ट्रक ने टक्कर मारी, छह की मौत

इटावा (ईएमएस)। जिले के बकेवर कस्बे से थोक सब्जी मंडी खरीददारी करने आ रहे सब्जी किसानों की पिकअप वैन को एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे छह लोगो की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। उधर, लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना पर दुख जताते हुये मृतको के परिजनों को दो–दो लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिये है।

पिकअप वैनप से इटावा नई मण्डी मे सब्जी खरीदने आए थे। लाकडाउन के चलते मण्डी रात्रि दस बजे से सुबह चार बजे तक खुलती है तभी हाइवे ओवरब्रिज पर पीछे से आ रहे तेज गति ट्रक ने अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए पिकअप वैन में पीछे से टक्कर मार दी जिससे वैन उछलकर सड़क से नीचे जा गिरी। जिससे उसमें सवार राजेश यादव (42), राजू पोरवाल (30), जगदीश कुशवाहा (30), जागेश्वर कुशवाहा (28), महेश कुशवाहा (40), तथा ड्राइवर बृजेश कुशवाहा (35) की मौके पर मौत हो गई एक व्यक्ति घायल हो गया। एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद इटावा में एक ट्रक और पिकअप वैन की टक्कर से लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को 2–2 लाख रुपये तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद प्रदान किये जाने के निर्देश भी दिए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तौमर ने बताया कि नगर के थाना फ्रैंडस कालोनी क्षेत्र के अन्तर्गत एनएच–2 हाइवे पर बीती रात्रि करीब दस बजे बकेवर कस्बा से सब्जी विक्रेता

कांग्रेस के 1000 बसें देने को लेकर विवाद बढ़ा प्रियंका गांधी के निजी सचिव व यूपी कांग्रेस अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ (ईएमएस)। कोरोनाकाल में लागू लॉकडाउन को लेकर पलायन को मजबूर प्रवासी मजदूरों के लिए बसें उपलब्ध कराने को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। दोनों पार्टियों द्वारा एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप के बाद मामला और तूल पकड़ लिया। इतना ही नहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के निजी सचिव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा भी दर्ज किया गया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने यहां बताया कि प्रियंका के निजी सचिव संदीप सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू तथा अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में हजरतगंज कोतवाली में परिवहन अधिकारी आरपी त्रिवेदी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा भारतीय दंड विधान की धारा 420, 467 और 468 के तहत दर्ज किया गया है। यह मुकदमा उत्तर प्रदेश सरकार के उस आरोप के बाद दर्ज हुआ है जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस द्वारा प्रवासी मजदूरों को उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए दी गई 1000 बसों की लिस्ट में शामिल कुछ वाहनों के नंबर दो पहिया, तिपहिया वाहनों तथा कारों के तौर पर दर्ज पाए गए हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि कांग्रेस की ओर से जिन 1000 बसों की सूची सौंपी गयी थी, उनमें 79 पूरी तरह से अनफिट हैं। इसके अलावा 279 बसों का फिटनेस और बीमा सम्बन्धी प्रपत्र एक्सपायर हो चुका है। साथ ही 100 बसें ऐसी हैं जिनके नम्बर एम्बुलेंस, तिपहिया वाहन, ऑटो रिक्शा, ट्रक तथा अन्य वाहनों के नाम पर दर्ज हैं। वहीं, 70 बसों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस को प्रवासी मजदूरों की कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस आखिर क्या साबित करना चाहती है। महाराष्ट्र में जब मजदूरों पर लाठीचार्ज हुआ तब कांग्रेस कहां थी। उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने सरकार के इस कदम पर कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा के निजी सचिव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना यह साबित करता है कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है और यह पूरी तरह निन्दनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य सरकार से आग्रह करती है कि वह कांग्रेस महासचिव प्रियंका के प्रस्ताव को स्वीकार करे और भूख–प्यास से परेशान मजदूरों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाने के निर्देश दे।

इलाज के लिए भटकते रहे बुजुर्ग की एंबुलेंस में छूट गई सांसें

कानपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में कानपुर के हॉटस्पॉट ककर्नलगंज क्षेत्र में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। ये बुजुर्ग पहले कोरोना पॉजिटिव थे, मगर दो दिन पहले ही इनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। बताया गया कि चार घंटे तक बुजुर्ग एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के बीच चक्कर लगाते रहे। पहले उन्हें मंधना के रामा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां से रामादेवी स्थित कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। इसके बाद यहां के चिकित्सकों ने हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मगर, हैलट अस्पताल पहुंचने से पहले ही बुजुर्ग ने एंबुलेंस में मरीज ने दम तोड दिया। परिजनों ने कहा कि घंटों इलाज के लिए इधर–उधर भटकते रहे, अंत में एंबुलेंस में ही उनकी मौत हो गई। अब कोरोना प्रोटोकॉल के तहत बैग में सील करके दफनाने की प्रक्रिया की जा रही है। स्वास्थ्य अफसरों का दावा है कि 2 दिन पहले ही बुजुर्ग की जांच नेगेटिव आई थी और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था।

दरअसल, मृतक के बड़े भाई और उनके भतीजे मार्च में सऊदी अरब से उमरा कर शहर वापस लौटे थे और वे दोनों कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद उसके घर के सभी सदस्यों को जाजमऊ के सर सैयद पब्लिक स्कूल में क्वॉरेंटाइन कर दिया गया था। वहां से उन सभी को जांच कराई गई। जिसमें 5 मई को आई रिपोर्ट में बुजुर्ग समेत घर के 6 सदस्य पॉजिटिव मिले, सभी को रामा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। रविवार को सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर सोमवार को सभी को घर वापस भेज दिया गया। इसके बाद घर पहुंचने पर बुजुर्ग को सांस लेने में तकलीफ हुई तो इसकी सूचना उन्होंने चिकित्सकों को दी और उन्हें अस्पताल में रोक लिया गया।

सुबह गंभीर स्थिति होने पर कांशीराम अस्पताल भेजा गया, वहां से डॉक्टरों ने हैलट रेफर कर दिया। इसी दौरान रास्ते में बुजुर्ग की मौत हो गई।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्याज लदे ट्रक से 24 लाख कीमत की शराब पकड़ी गई

क्रांति समय

सूरत । लॉकडाउन 4 में राज्य सरकार की ओर से रियायतों की घोषणा के बाद शराब तस्करी तेज हो गई हैं सूरत की कोसंबा पुलिस ने गश्त के दौरान प्याज से लदे एक ट्रक से 24 लाख रुपए कीमत की विदेशी शराब बरामद की हैं पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर और क्ल. ीनर समेत ट्रक जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की हैं

गुजरात में लॉकडाउन 4 में काफी रियायतें दी गई हैं, हांलाकि शाम के 7 बजे से सुबह 7 बजे तक कर्फ्यू होने से पुलिस की लगातार गश्त जारी हैं ! इस बीच पूर्व सूचना के आधार पर सूरत की कोसंबा पुलिस ने किम चौराहे के निकट महाराष्ट्र पासिंग के ट्रक को रोकने का इशारा किया! लेकिन ड्राइवर ने ट्रक को मांडवी की ओर दौडाना शुरू कर दिया! ट्रक के नहीं रुकने पर पुलिस ने उसका पीछा किया और मांडवी के भाटकोल गांव पाटिया के निकट उसे घेर लिया! ट्रक की तलाशी में प्याज की आड़ में छिपाई गई बड़ी मात्रा विदेशी शराब देख पुलिस चौंक पड़ी! पुलिस ने ट्रक से करीब 24 लाख कीमत की विदेशी शराब जब्त कर ली! साथ ही ट्रक के ड्राइवर अनुज वंशराज यादव और क्लीनर योगेश शंभुभाई मिस्त्री को गिरफ्तार कर लिया! अनुज यादव उत्तर प्रदेश के नौगरेही गांव का निवासी है और योगेश मिस्त्री भरुच का रहने वाला है! पुलिस ने ट्रक में लदी 115 प्याज की बोरियां, 16 हजार नकद, 7 लाख कीमत की ट्रक, 20 हजार कीमत के तीन मोबाइल समेत रु. 30 लाख से अधिक का माल सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

सचिन–रेलवे स्टेशन रोड पर कुमकुम फर्नीचर और इलेक्ट्रिक शोरुम में आग

गोदाम की दूसरी और तीसरी मंजिल में आग लग गई ! शो रूम बंद होने से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी

सूरत। शहर के सचिन और रेलवे स्टेशन रोड के बीच कुमकुम फर्नीचर और इलेक्ट्रिक शो रूम के गोदाम में आग लग गई। गोदाम की दूसरी और तीसरी मंजिल में आग लग गई है। अग्निशमन दल ने आग पर काबू किया। आग लगने की वजह से शो रूम में बड़े पैमाने नुकसान पहुंचाया

सचिन–रेलवे स्टेशन रोड के बीच कुमकुम नामक फर्नीचर और इलेक्ट्रिक शो रूम के गोदाम में आग लग गई। ध ुएं और आग की लपटों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए हैं। हाजीवाला और सचिन जीआईडीसी के अग्निशामकों को घटना की जानकारी मिलते ही ! अग्निशमन विभाग पानी चलाकर आग पर काबू किया ! आग से शो रूम को व्यापक नुकसान हुआ है।

अहमदाबाद में 271 समेत गुजरात में कोरोना के 398 नए केस, 30 मौत

अहमदाबाद ! गुजरात में खासकर अहमदाबाद में कोरोना भयावह होता जा रहा है । पिछले 24 घंटों में इकलौते अहमदाबाद में कोरोना के 271 नए केस दर्ज हुए हैं और 26 मरीजों की मौत हो गई है। इस दौरान 176 लोग ठीक भी हुए हैं। गुजरात में पिछले 24 घंटों के दौरान 398 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। जिसमें अहमदाबाद में 271, सूरत में 37, वडोदरा में 26, महीसागर में 15, पाटन में 15, कच्छ में 5, अरवल्ली में 4, गांधीनगर में 3, साबरकांठा में 3, नवसारी में 3, सुरेन्द्रनगर में 3, बनासकांठा में 2, आणंद में 2, खेडा में 2, वलसाड में 2, जामनगर में 1, भरुच में 1, दाहोद में 1, जूनागढ़ में 1 और अन्य राज्य एक समेत कोरोना के कुल 398 केस दर्ज हुए। इस दौरान राज्य में 30 मरीजों की मौत हो गई। जिसमें अहमदाबाद में 26, सूरत, गांधीनगर, पाटन और साबरकांठा में एक–एक मरीज की मौत हुई। पिछले 24 घंटों में राज्य में कुल 176 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। जिसमें अहमदाबाद में 107, आणंद में 1, बनासकांठा में 1, भरुच में 1, भावनगर में 9, बोटाद में 3, गांध ीनगर में 10, पंचमहल में 2, साबरकांठा में 5, सूरत में 25 और वडोदरा में 12 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। अस्पताल से डिस्चार्ज कुल 176 लोगों में 130 पुरुष और 46 महिलाएं शामिल हैं। राज्य में अब तक 160772 टेस्टों में 148233 नेगेटिव और 12539 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। कुल 12539 पॉजिटिव मामलों में 47 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 6524 मरीजों की हालत स्थिर हैद्य जबकि 5219 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं और 749 मरीजों की कोरोना से जान चली गई। राज्यभर में 476084 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 464900 होम कोरन्टाइन, 10562 सरकारी कोरन्टाइन और 622 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। राज्यभर में 12539 कोरोना पॉजिटिव मामलों में सबसे अध िक अहमदाबाद में 9216 केस दर्ज हुए हैं। सूरत में 1193, वडोदरा में 726, गांधीनगर में 193, भावनगर में 114, बनासकांठा में 88, आणंद में 85, राजकोट में 82, अरवल्ली में 86, मेहसाणा में 80, पंचमहल में 71, बोटाद में 56, महीसागर में 68, खेडा में 53, पाटन में 68, जामनगर में 43, भरुच में 37, साबरकांठा में 49, गिर सोमनाथ में 28, दाहोद में 29, छोटा उदेपुर में 22, कच्छ में 57, नर्मदा में 13, देवभूमि द्वारका में 12, वलसाड में 17, नवसारी में 11, जूनागढ़ में 13, पोरबंदर में 5, सुरेन्द्रनगर में 13, मोरबी में 2, तापी में 3, डांग में 2, अमरेली में 2 और अन्य राज्य के 2 केस शामिल हैं।

प्रेम प्रसंग में प्रेमी ने लड़की और उसकी मां पर किया हमला उसके बाद किया अभद्र व्यवहार

सूरत। अडाजान पुलिस स्टेशन क्षेत्र अडाजान इलाके में रहने वाले एक युवक के खिलाफ एक युवती के साथ अश्लील हरकत करने, उसके बाल पकड़कर उसे सड़क पर धकेलने और उसकी मां की पिटाई करने के आरोप में शिकायत दर्ज की है,

प्रेमी युवक ने अपने प्यार को कबूल किया और डेढ़ साल पहले शादी का प्रस्ताव रखा। लड़की को कहा दूसरी शादी की तो जान से मारने की धमकी दी गई

एक तरफा प्रेम संबंध में पागल दिव्येश ने लड़की का हाथ पकड़ लिया, जबकि उसने उससे प्यार करने से इनकार कर दिया। लड़की के हाथ छुड़ाने की कोशिश करने पर दिव्येश ने उसके साथ अश्लील हरकत की। फिर उसने लड़की के बाल पकड़ कर उसे सड़क पर धकेल दिया और उसकी पिटाई की। अपनी बेटी के साथ युवक की हरकतों से हैरान मां ने अपनी बेटी को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया। लेकिन लड़की की मां के साथ भी मारपीट की। इस बीच कल रात दिव्येश ने लड़की के साथ फिर से बलात्कार किया और धमकी दी कि किसी और से तुम्हारी शादी नहीं होने दूंगा और अगर तुमने मुझसे शादी नहीं की तो मैं तुम्हें जान से मार दूंगा। इसलिए लड़की की मां ने अडाजान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने जांच शुरू किया !

बोटाद जिला हुआ कोरोना मुक्त, एक भी सक्रिय केस नहीं

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना के बढ़ते कहर के बीच अच्छी खबर आई है। बोटाद जिला कोरोना से मुक्त हो गया है। बोटाद जिले में फिलहाल एक भी एक्टिव केस नहीं है। बोटाद में कोरोना का पहला केस 14 अप्रैल को सामने आया था और अब तक कुल 56 मामले दर्ज हो चुके हैं। जिसमें कोरोना से अब तक एक मरीज की मौत हो चुकी है।

शेष 55 लोगों के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। बोटाद जिला कलेक्टर विशाल गुप्ता ने बताया कि फिलहाल जिले में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। अब तक जितने कोरोना के केस दर्ज हुए थे, उसमें 1 मरीज की मौत के अलावा अन्य 55 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं।

आत्मनिर्भर गुजरात सहायता योजना के फार्म 9000 स्थलों पर आज से मिलेंगे

अहमदाबाद ! लॉकडाउन के चलते गुजरात सरक. ार ने छोटा–मोटा कारोबार करने वाले व्यवसायियों के लिए आत्मनिर्भर गुजरात सहायता योजना के तहत 2 प्रतिशत के ब्याज पर एक लाख रुपए की लोन का ऐलान किया है। गुजरात सरकार ने राज्य के छोटे व्यापारियों को लोन मुहैया कराने का ऐलान किया है, ताकि वह आर्थिक से रूप से मजबूत हों। आत्म निर्भर गुजरात सहायता योजना के तहत राज्य के छोटे दुकानदारों को रु. 1 का लाख लोन 2 प्रतिशत के ब्याज पर मिलेगा। जबकि 6 फीसदी वार्षिक ब्याज का भुगतान राज्य सरकार करेगीद्य योजना के तहत पहले छह महीने मूल और ब्याज का भुगतान करना अनिवार्य नहीं है। यह ऋण सहकारी बैंक और जिला बैंकों से उपलब्ध होगा और इसके लिए किसी प्रकार की सिक्युरिटी देने की जरूरत नहीं है। बैंक केवल आवेदन का आधार पर लोन पास करेगीद्य राज्य के 10 लाख लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा राज्यभर में 9000 जितने स्थलों पर लोन के फार्म का वितरण किया जाए। मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि आत्मनिर्भर गुजरात राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है और इसके लिए 5000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। 21 मई से कॉ ओपरेटिव बैंक, डिस्ट्रिक्ट बैंक, सिटी कॉ ओपरेटिव बैंक समेत 9000 से भी अधिक आउटलेट्स से आत्म. निर्भर योजना के फार्म का वितरण किया जाएगा। ।

राजकोट मनपा की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष समेत 21 आप में शामिल

अहमदाबाद । राजकोट महानगर पालिका की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के करीबी नेता राजभा झाला समेत 21 लोगों ने आम आदमी पार्टी (आप) जॉइन कर ली। वर्ष 2014 में विवाद के बाद राजभा झाला ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। इसी साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की जबर्दस्त सफलता के बाद ही राजभा झाला के आप में शामिल होने की चर्चा थी। कुछ दिन पहले राजभा झाला ने अहमदाबाद में आप नेताओं के साथ बातचीत भी की थी। तब यह बात भी सामने आई थी कि उन्हें दिल्ली बुलाया गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर अपना दायरा बढ़ाने की कोशिशों में थी और उसके लिए उसे अनुभवी चेहरों की दरकार थी। राजकोट में आप को राजभा झाला का चेहरा मिल गया है।

आप के गुजरात प्रभारी और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री गोपालराय की मौजूदगी में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से राजभा झाला समेत 21 लोग आप में विधिवत शामिल हो गएद्य राजभा झाला के साथ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के शिवलाल बारसिया, राजकोट कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष नैमिश पाटडिया समेत 21 लोग शामिल हैंद्य कहा जा रहा है कि दिल्ली में जीत के बाद राजकोट में आप का संगठन मजबूत बनाने की कवायद तेज कर दी गई है और लॉकडाउन से पहले इस संदर्भ में एक बैठक हुई थी। बैठक में शामिल राजभा झाला समेत लोगों ने आप में शामिल होने का फैसला किया था। लॉकडाउन के दौरान कोई एकत्र नहीं हो सकता था, इस वजह से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए राजभा समेत 21 लोग आप में शामिल हो गए।

गौरतलब है मार्च 2020 में राजभा झाला ने स्पष्ट किया था कि 2014 में उन्होंने कुछ मतभेदा के चलते भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उस वक्त उन्होंने कहा था कि 400 लोगों के साथ जल्द ही आप जॉइन करेंगे। राजकोट में तीन बार नगर पार्षद रह चुके राजभा झाला मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के शिष्य कहे जाते हैं और 17 साल तक उनके साथ काम किया है।

धमन 1 वेन्टीलेटर को डीसीजीआई के लाइसंस की जरूरत नहीं : स्वास्थ्य सचिव

अहमदाबाद । राज्य की स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने धमन 1 वेन्टीलेटर को गुजरात की आत्मनिर्भरता का उदाहरण बताया और कहा कि इसके उपयोग के लिए डीसीजीआई से लाइसंस की जरूरत नहीं है। बता दें

कि राजकोट की कंपनी ज्योति सीएनसी ने विशेष रूप से कोविड 19 के मरीजों के लिए वेंटीलेटर तैयार किया था,

जिसका नाम धमन–1 दिया था और इसकी कीमत रु. 100000 तय की थी। इस वेंटीलेटर को लेकर गुजरात कांग्रेस ने राज्य सरकार

पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि उसने बगैर किसी जांच के सस्ती लोकप्रियता की खातिर धमन 1 खरीदकर आपराधिक लापरवाही की है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण वेन्टीलेटर का उपयोग अनिवार्य हो गया था।ऐसे में राजकोट की कंपनी ज्योति सीएनसी ने केवल 10 दिन में नया वेन्टीलेटर बनाया था, लेकिन उसे लेकर कई सवाल उठाए गए थेद्य कोरोना महामारी के दौर में मदद के लिए राजकोट की कंपनी ने 18 अप्रैल को पहले 10 वेन्टीलेटर दिए थे। जबकि 866 वेन्टीलेटर मुफ्त में उपलब्ध करवाए थे। जयंति रवि ने बताया कि धमन–1 वेन्टीलेटर के उपयोग के लिए डीसीजीआई के लाइसंस की कोई जरूरत नहीं है। भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल डॉ. वीजी सोमाणी ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल डिवाइस रूल्स 2017 के रेग्युलेशन के तहत फिलहाल

वेन्टीलेटर के लिए लाइसंस की कोई आवश्यकता नहीं है। इतना नहीं स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय ने भी 11 फरवरी 2020 को जीएसआर 102 (ई) नोटिफिकेशन जारी की है। 1 अप्रैल 2020 से प्रभावी इस नोटिफिकेशन में ऐसी 37 वस्तुओं की सूची है, जिसके लिए लाइसंस की जरूरतन नहीं है। इस सूची में धमन 1 वेंटीलेटर शामिल नहीं है। जिससे स्पष्ट है कि धमन 1 को मंजूरी की जरूरत नहींहै। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की समिति द्वारा भी इस कंपनी को शोर्टलिस्ट किया गया है। ज्योति सीएमसी ने ध ामन 1 का स्टान्डर्ड वेन्टीलेटर के आईएसओ की आईएसई 60601 के मापदंडों के मुताबिक निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के चलते गुजरात समेत देश–दुनिया में वेन्टीलेटर मुख्य जरूरत थी। लेकिन कोई भी देश वेन्टीलेटर की मांग पूरी करने में सक्षम नहीं था। ऐसे में राजकोट की ज्योति सीएनसी कंपनी वैश्विक महामारी में सहायरूप होने के उद्देश्य से आवश्यक मापदंडों के मुताबिक वेन्टीलेटर का उत्पादन किया और सभी परीक्षण व प्रमाम पत्र प्राप्त करने के बाद 18 अप्रैल 2020 को पहले 10 वेन्टीलेटर की सप्लाई की थी।

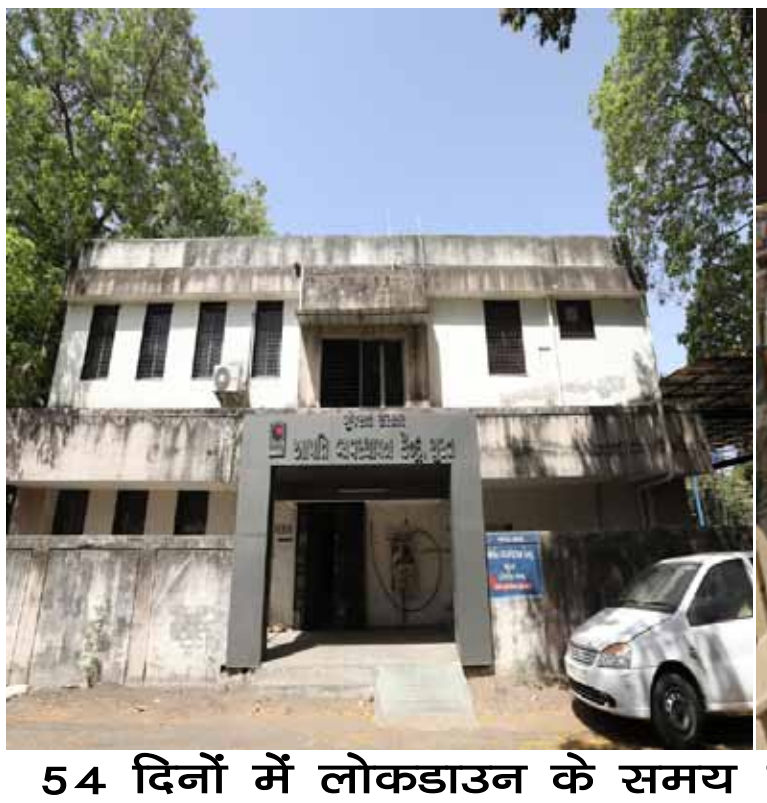

54 दिनों में लोकडाउन के समय लोगों की समीक्षाएँ का समाधान जिल्ला कंटोल रूम में हेल्पलाइन किया गया 24'7 में कुल 30 नबर1077 पर कुल 19094 कर्मचारी कार्यरत हैं

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)